CH-4. माँग का सिद्धांत 22/04/2020

MODEL SET-5 THEORY OF DEMAND

GROUP-A/- VERY SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS/ANS

IMP 1. माँग क्या है? What is demand.

A- वस्तु की वह मात्रा जिसे एक उपभोक्ता, एक समय में एक दी हुई कीमत पर खरीदने को तैयार रहता है माँग कहलाती है।

2. बाजार माँग क्या है? What is marked demand.

A- बाजार माँग से तात्पर्य उस माँग से है जो किसी निश्चित समय पर प्रचलित विभिन्न कीमतों पर सभी ग्राहकों द्वारा ~~किसी वस्तु की मांगी गई मात्रा~~ माँगी जाती है।

3. माँग के प्रकार के नाम बताएँ? Types of demand

A- माँग के तीन प्रकार है —

(a) मूल्य माँग (Price Demand)
(b) आय माँग (Income Demand)
(c) आड़ी माँग (Cross Demand)

4. माँग को प्रभावित करने वाले कारकों के नाम बताएँ? Give reasons of influencing demand?

A- (1) वस्तु की कीमत
(2) उपभोक्ता की आय
(3) धन का वितरण
(4) सम्बंधित वस्तु की कीमत
(5) जनसंख्या का आकार

5. आय माँग वक्र को ..... कहा जाता है?
Income demand Curve is also called..
A- आय माँग वक्र को एंजिल वक्र (Engel's curve) भी कहा जाता है।

6. सामान्यत: माँग वक्र की ढाल होती है-
Demand Curve generally slopes -
A- बाएँ तो दाएँ नीचे गिरती हुई।
माँग वक्र की ढाल बाएँ से दाएँ नीचे गिरती हुई होती है।

7. माँग में परिवर्तन से क्या तात्पर्य है?
change in demand implies --
A- माँग में परिवर्तन से तात्पर्य माँग को प्रभावित करने वाले कारणों में परिवर्तन के फलस्वरूप माँग में होने वाले परिवर्तन से है।

8. चाय तथा कॉफी किस प्रकार की वस्तु है?
A- चाय तथा कॉफी प्रतिस्थापन वस्तुएँ या स्थानापन्न वस्तुएँ (Substitute goods) है।
NOTE क्योंकि चाय की कीमत बढ़ने पर चाय के स्थान पर कॉफी का प्रयोग किया जाने लगता है।

9. गिफिन वस्तुएँ क्या है?
A- वे निम्न या निकृष्ट वस्तुएँ जिनकी माँग आय बढ़ने के साथ घटती है गिफिन वस्तुएँ कहलाती है।

MODEL SET - 5

24/04/2020

2001

GROUP - B SHORT TYPE QUESTIONS / ANS

10. माँग वक्र की सहायता से माँग के नियम की व्याख्या करें?

A → माँग का नियम किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने के परिणामस्वरूप उसकी माँग में होने वाले परिवर्तन को बताता है। इस नियम के अनुसार, किसी वस्तु की कीमत और उसकी माँग में विपरीत सम्बंध होता है।

अतः माँग के नियम के अनुसार "अन्य बातें समान रहने पर वस्तु की कीमत घटने से उसकी माँग बढ़ती है और कीमत बढ़ने पर माँग घटती है।

(1) मार्शल के अनुसार — "मूल्य गिरने से माँग बढ़ती है और मूल्य बढ़ने से माँग घटती है।"

(2) सैम्युलसन के अनुसार — "अन्य बातों के समान रहने पर यदि किसी वस्तु की अधिक मात्राएँ बाजार में आती है, तो वे वस्तुएँ कम मूल्य पर ही बेची जाएँगी।"

माँग वक्र द्वारा व्याख्या → माँग वक्र ऊपर से नीचे दाईं ओर गिरती हुई होती है या ऋणात्मक

ढाल वाली होती है।
प्रस्तुत चित्र में X अक्ष पर वस्तु की माँग तथा Y अक्ष पर वस्तु की कीमत को दर्शाया गया है।
OP कीमत पर वस्तु की ON मात्रा माँगी जा रही है।
जब कीमत OP से कम होकर OP_1 होती है तब वस्तु की ~~ON~~ ~~पर~~ माँग बढ़कर ON_1 ~~माँग~~ हो जाती है। यहाँ DD माँग वक्र है जो कीमत और माँग में सम्बन्ध को बताता है।

IMP

11. माँग के नियम की मान्यताएँ क्या है?
What are the assumptions of Law of Demand.

A- माँग के नियम की प्रमुख मान्यताएँ निम्न है—

(a) उपभोक्ता की आय में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

(b) उपभोक्ता के स्वभाव तथा रुचि में भी परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

(c) अन्य सम्बन्धित वस्तुओं की कीमतों में भी परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

(d) जनसंख्या में परिवर्तन न हो।

(e) जलवायु में परिवर्तन न हो।

(f) भविष्य में वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने की सम्भावना न हो।

26/04/2020

[redacted] INP

What are the exceptions of Law of demand.

12. माँग के नियम के अपवाद क्या है?

Ans— माँग का नियम जब लागू नहीं होता है तब इसे माँग के नियम का अपवाद कहते है। जो निम्न है—

(1) भविष्य में वस्तु के कीमत बढ़ने या घटने की आशा।

(2) मिथ्या आकर्षण के कारण माँग का नियम लागू नहीं होता।

(3) अज्ञानता के कारण लोग ऊँची कीमतों पर वस्तु का अधिक क्रय कर लेते है।

(4) विलक्षण वस्तुओं के संबंध में माँग का नियम लागू नहीं होता है।

(5) वस्तु की दुर्लभता की आशंका।

(6) उपभोक्ता की आय, रुचि, फैशन में परिवर्तन होना।

(7) अनिवार्य वस्तुएँ।

26/04/2020

Imp 13. माँग में वृद्धि के चार कारणों को बताएँ।
State four factors Causing decrease in demand.

Ans- जब वस्तु की कीमत में कोई परिवर्तन न हो लेकिन माँग बढ़ जाए तो इसे माँग में वृद्धि कहते हैं। जो निम्न कारणों से होती है —

(a) स्थानापन्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि।
(b) पूरक वस्तुओं की कीमतों में कमी।
(c) उपभोक्ता की आय में वृद्धि।
(d) क्रेताओं की संख्या में वृद्धि।
(e) भविष्य में मूल्य में वृद्धि की सम्भावना।
(f) रुचि, आदत, फैशन आदि में परिवर्तन।

14. माँग में कमी के चार कारणों को बताइए।
Imp Ans- जब कीमत स्थिर रहे पर अन्य कारणों से माँग की मात्रा कम हो जाए तो इसे माँग में कमी कहते हैं। इसके निम्नलिखित कारण हैं —

(a) स्थानापन्न वस्तुओं की कीमतों में कमी।
(b) पूरक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि।
(c) उपभोक्ता की आय में कमी।
(d) रुचि, आदत, फैशन, जलवायु में विपरीत परिवर्तन।
(e) भविष्य में मूल्य में कमी की सम्भावना।
(f) क्रेताओं की संख्या में कमी।

27/04/2020

[redacted]

Q. अन्तर करें - (Distinguish between)

(a) पूरक वस्तु एवं स्थानापन्न वस्तु
Complementary Goods and Substitution Goods.

(b) सामान्य वस्तु एवं निकृष्ट वस्तु
Normal Goods and Inferion Goods.

Ans → (a) पूरक वस्तु और स्थानापन्न वस्तु

पूरक वस्तुएँ :— पूरक वस्तुएँ वे वस्तुएँ हैं जिनका प्रयोग किसी आवश्यकता को पूरा करने के लिए साथ-साथ किया जाता है। जैसे - कार - पेट्रोल, पेन - स्याही, चाय - चीनी आदि की माँग पूरक वस्तु के उदाहरण हैं। इन वस्तुओं में यदि एक वस्तु की कीमत में वृद्धि होती है तो उनकी पूरक वस्तु की माँग घट जाती है। इसी प्रकार यदि एक वस्तु की कीमत घटती है तो पूरक वस्तु की माँग बढ़ जाती है।

चित्र द्वारा व्याख्या।

चित्र में पेट्रोल और कार दो पूरक वस्तुएँ हैं। जब कार की कीमत OP थी तब पेट्रोल की माँग OQ थी।

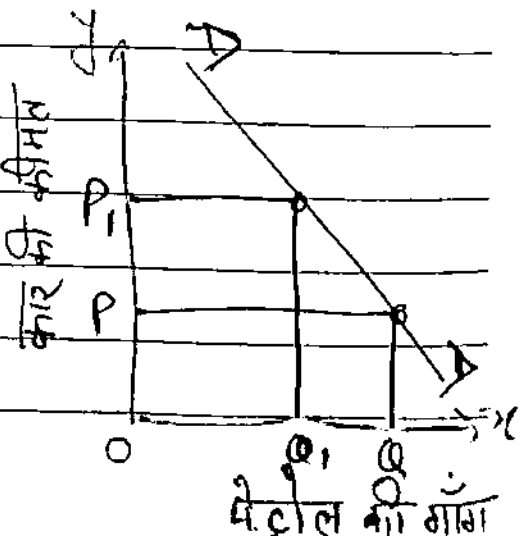

जब कार की कीमत OP से बढ़कर OP_1 होती है तब पेट्रोल की माँग OQ से घटकर OQ_1 हो जाती है।

इसी प्रकार जब कार की कीमत OP_1 से घटकर OP होती है तब पेट्रोल की माँग जो OQ_1 थी वह बढ़कर OQ हो जाती है।

अतः पूरक वस्तु के संबंध में माँग वक्र का ढाल ऋणात्मक होता है।

स्थानापन्न वस्तुएँ :— स्थानापन्न वस्तुएँ वे वस्तुएँ होती हैं, जिन्हें एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है।

जैसे - चाय के बदले कॉफी का प्रयोग, चीनी के स्थान पर गुड़ का प्रयोग आदि।

स्थानापन्न वस्तुओं में एक वस्तु की माँग में परिवर्तन, दूसरे वस्तु की कीमत में परिवर्तन के कारण होता है।

जैसे - जब कॉफी की कीमत बढ़ती है तो चाय की माँग बढ़ती है।

चित्र द्वारा स्पष्टीकरण :—

चित्र में चाय और कॉफी स्थानापन्न वस्तुएँ हैं। OX अक्ष पर चाय की माँग तथा OY अक्ष पर कॉफी की कीमत को दर्शाया गया है।

[redacted]

चाय की माँग

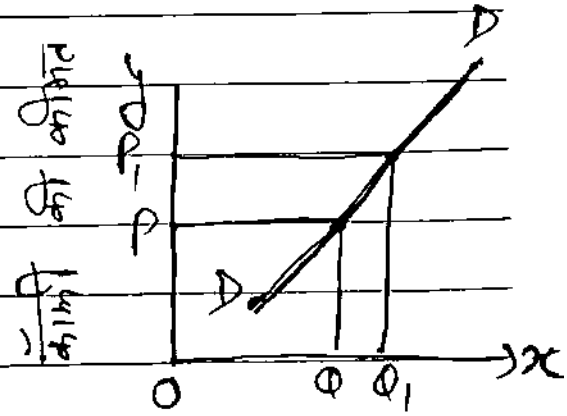

जब कॉफी की कीमत OP थी तब चाय की माँग OQ थी कॉफी की कीमत बढ़कर OP_1 होने पर चाय की माँग [illegible] OQ से बढ़कर OQ_1 हो जाती है।

इसी प्रकार जब कॉफी की कीमत OP_1 से कम होकर OP हो जाती है तब चाय की माँग OQ_1 से घटकर OQ हो जाती है।

अत: स्थानापन्न वस्तुओं का माँग वक्र का ढाल धनात्मक होता है अर्थात नीचे से ऊपर चढ़ता हुआ होता है।

(b) सामान्य वस्तु एवं निकृष्ट (निम्न) वस्तु

सामान्य वस्तु :—

(i) अर्थ :— सामान्य वस्तुएँ वे वस्तुएँ हैं जिनकी माँग आय के बढ़ने पर बढ़ती है।
जैसे - सामान्य चावल।

(ii) माँग वक्र का खिसकाव :— सामान्य वस्तु के लिए आय प्रभाव धनात्मक होता है। आय बढ़ने पर माँग वक्र ऊपर दायीं ओर खिसक जाता है जैसा कि चित्र में दिखाया गया है।

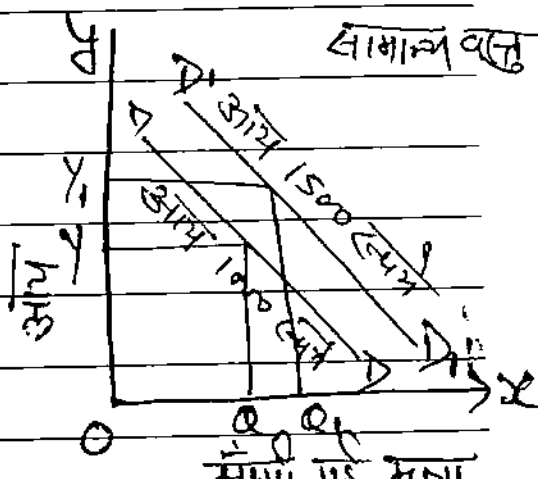

चित्र में OX अक्ष पर वस्तु की माँगी जाने वाली मात्रा तथा OY अक्ष पर उपभोक्ता की आय को दर्शाया गया है।
जब उपभोक्ता की आय 1000 रुपये से बढ़कर ₹1500 हो जाती है तब माँग वक्र जो DD था वह दायीं ओर खिसक कर D_1D_1 हो जाती है। जो बताती है कि आय बढ़ने पर सामान्य वस्तु की माँग बढ़ जाती है जबकि कीमत में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

निकृष्ट या घटिया वस्तु —

(1) अर्थ :— घटिया या निम्न वस्तुएँ वे वस्तुएँ हैं जिनकी माँग आय बढ़ने पर कम हो जाती है। Ex- घटिया चावल

(2) माँग वक्र का रिवसकाव :— निम्न वस्तुओं के लिए आय प्रभाव ऋणात्मक होता है, अर्थात आय बढ़ने पर लोग वस्तु की कम मात्रा खरीदते हैं तथा आय कम होने पर अधिक।

इसे चित्र द्वारा बताया गया है। चित्र में OX अक्ष पर वस्तु की माँगी गई मात्रा तथा OY अक्ष पर उपभोक्ता की आय को दर्शाया गया है।

उपभोक्ता की आय OY_1 होने पर वस्तु की माँगी गई मात्रा OQ_1 थी। जब उपभोक्ता की आय बढ़कर OY हो जाती है तब उपभोक्ता इस वस्तु की माँग कम कर देता है जो OQ के बराबर है तथा उपभोक्ता की आय घटने पर वह इस वस्तु की माँग को बढ़ा देता है।

यहाँ वस्तु की कीमत स्थिर रहती है।